सामग्री की खरीद

११४६. **श्री राधा रमण** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण का स्तर ऊंचा करने के उद्देश्य से, अमरीका के प्वाइंट ४ प्राविधिक कार्यक्रम की सहायता से अब तक क्या क्या सामग्री प्राप्त की गई है;

(ख) यह सामग्री किस प्रकार से काम में लाई जा रही है; और

(ग) संयुक्त राष्ट्र के प्राविधिक सहायता प्रशासन के अधीन रूस से प्राप्त ३० लाख रुपये की सामग्री किस प्रकार काम में लाई जा रही है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) सामग्री की खरीदी के लिए लगभग ३०.८७ लाख रुपयों की मंजरी हुई है। इस रकम में से २१.७ लाख रुपयो का सामान खरीदा जा चुका है।

(ख) इस कार्यक्रम के अधीन खरीदा गया सामान औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्रो संस्थानों को दे दिया गया है। इसका उपयोग प्रशिक्षणार्थियो को दस्तकारी सिखाने के लिये किया जायेगा।

(ग) यह सामान अभी भारत नही पहुंचा है। इस सहायता योजना के अधीन केवल २० लाख रुपयो का सामान भारत आयेगा न कि ३० लाख रुपयो का।

महिलाओं को दस्तकारी का प्रशिक्षण

११४७. **श्री राधा रमण** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महिला दस्तकारी प्रशिक्षण कार्य पर जनवरी, १९५६ से अब तक कितना खर्च हुआ है;

(ख) इस का विवरण क्या है; और

(ग) प्रशिक्षण संस्थाओं में इस समय प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं की संख्या राज्यवार कितनी है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) ३१ अक्टूबर १९५६ तक, जिस दिन प्रशिक्षण संस्थाओ का प्रशासन राज्य सरकारों को सोप दिया गया था, २,३४,०५३ रुपये मात्र।

(ख) एक विवरण इस उत्तर के सम्बन्ध में सभा के पटल पर रख दिया गया है। [देखिय परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ७१]

(ग)

राज्य	३१-१०-५७ को प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
मद्रास	९७
उत्तर प्रदेश	२१८
दिल्ली	१९७

कोयले की खानों और मिलों का बन्द किया जाना

११४८. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५६-५७ मे काम के दिनो की हानि मे जो वृद्धि हुई है, वह पश्चिम बगाल की कोयले की किन किन खानो तथा बम्बई की किन किन मिलो के बन्द होने के कारण हुई है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : सूचना प्राप्त नही है तथा उसको प्राप्त करने से जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी।

औद्योगिक विवाद

११४९. **श्री वि० प्र० सिंह**: क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी से अक्तूबर, १९५६ तक जो १००६ विवाद हुये, उनमे से कितने के